

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 244 बेमेतरा, बुधवार 29 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

तपती गर्मी और लू के बीच आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों का सामना कर रहे लोगों के लिए बड़ी और राहत भरी खबर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव का पूर्वानुमान जताते हुए कई राज्यों में झमाझम बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की प्रबल संभावना है, जिसका सीधा असर उत्तर भारत और आसपास के कई अन्य राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इस मौसमी बदलाव से लगातार बढ़ते तापमान पर ब्रेक लगेगा और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से काफी हद तक राहत मिलेगी। उत्तर भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 26 से 28 अप्रैल के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार वाली तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई हिस्सों में भी छिटपुट बारिश का अनुमान है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, दो ट्रकों के बीच पिसी कार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले स्थित चौपारण की दनुआ घाटी में एक रूढ़ कंपा देने वाले सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बीसीसीएल के गोविंदपुर क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर कोलियरी में लाइनमैन के पद पर कार्यरत शिव कुमार भुइयां अपने परिवार के साथ कार से गयाजी के आमस में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार काल का ग्रास बन गई। यह हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह से मलबे के ढेर में तब्दील हो गई और कार सवार किसी भी व्यक्ति को बचने का मौका नहीं मिला। यह दर्दनाक हादसा चौपारण की दनुआ घाटी के जोड़राही पुल के पास हुआ। शिव कुमार की धनबाद नंबर प्लेट वाली कार अचानक आगे चल रहे एक ट्रैक्टर के पिछले हिस्से में जा घुसी। इससे पहले कि कार सवार लोग कुछ समझ पाते, पीछे से आ रहे एक तेज रफतार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। दो भारी वाहनों के बीच दबने से कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद ट्रक और ट्रैक्टर के चालक मौके से फरार हो गए।

चारमीनार एक्सप्रेस के एस5 कोच में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में एक बड़ा हादसा सामने आया, जब चारमीनार एक्सप्रेस के एच5 कोच में अचानक आग लग गई। यह घटना आलेर रेलवे स्टेशन के पास उस समय हुई, जब ट्रेन स्टेशन क्षेत्र के भीतर थी। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से बाहर कूदने लगे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग एस5 कोच से शुरू हुई, लेकिन इसके पीछे की असली वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला-ईडी की बड़ी कार्रवाई

आठ ठिकानों पर छापेमारी में 66.9 लाख कैश जब्त किए

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित भारतमाला प्रोजेक्ट में मुआवजा घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। रायपुर, अभनपुर, धमतरी और कुरुद में कुल 8 ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नकदी, चांदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, जमीन अधिग्रहण मुआवजा में गड़बड़ी के मामले में यह कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान करीब 66.9 लाख रुपये नकद और 37 किलो से अधिक चांदी बरामद की गई है। इसके अलावा कई डिजिटल डिवाइस और अहम दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। यह कार्रवाई एसीबी ईओडब्ल्यू की एफआईआर के आधार पर शुरू की गई है। जांच में तत्कालीन स्लूह निर्भय साहू समेत कई आरोपियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है, जो फिन्हाल एजेंसियों के रडार में हैं। प्रवर्तन निदेशालय रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, 28 अप्रैल 2026 को पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत छत्तीसगढ़ के अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद स्थित 8 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया था। यह तलाशी अभियान भारतमाला योजना के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के बदले अवैध रूप से मुआवजा प्राप्त करने के मामले में चलाया गया। इस दौरान, 66.9 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा, 37.13 किलोग्राम वजन की चांदी की ईंटें और अन्य चांदी की वस्तुएं, डिजिटल उपकरण और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी ने पीएमएलए 2002 के तहत जांच तब शुरू की, जब एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर ने अभनपुर, रायपुर के तत्कालीन एसडीओ (राजस्व) निर्भय साहू और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज की थी।



पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बताया राजनीतिक बदले की कार्रवाई, जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित भारतमाला घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। सोमवार तड़के ईडी की टीम ने धमतरी के कुरुद में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेन्द्र चंद्राकर के ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने गंभीर आरोप लगाए हैं। दीपक बैज ने कहा कि भारतमाला परियोजना मामले में जांच के तहत उनके भाई के घर छाप पड़ा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह वास्तव में केवल उनके भाई तक सीमित मामला है या फिर पूरा प्रकरण अजय चंद्राकर से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से कहीं न कहीं बड़े भ्रष्टाचार की ओर संकेत मिलते हैं। पीसीसी चीफने यह भी कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं पर कार्रवाई पड़ चुकी है, जो अपने आप में गंभीर संकेत है। फिन्हाल ईडी की जांच जारी है और आधिकारिक तौर पर पूरे मामले में दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। राजनीतिक हलकों में इस कार्रवाई को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है।



एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके, रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित सरकारी भूमि अभिलेखों में हेराफेरी और जालसाजी करके अवैध रूप से मुआवजा प्राप्त किया। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने कुछ सरकारी कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर, धोखाधड़ी से अतिरिक्त मुआवजा प्राप्त किया। उन्होंने ऐसा तब किया, जब

एनएचएआई रायपुर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 की धारा एक्सए के तहत अधिसूचना जारी की जा चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने जानबूझकर भूमि का स्वामित्व हस्तांतरित किया। साथ ही धारा एक्सडी के तहत अधिसूचना जारी होने से पहले ही भूमि के कई छोटे-छोटे टुकड़े बना लिए। जांच में यह भी सामने आया कि संशोधित/हेराफेरी किए गए खसत अभिलेखों के आधार पर मुआवजा स्वीकृत और वितरित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मुआवजे का भुगतान बढ़ा-चढ़ाकर किया गया।

गोलगप्पे खाने से 6 साल के मासूम की मौत, 36 से ज्यादा लोग बीमार

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां गोलगप्पे खाने से पूरा गांव बीमार पड़ गया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बजटो गांव में शनिवार शाम ठेले वाले से गोलगप्पे खाने के बाद 36 से अधिक लोगों को फूड प्वाइजनिंग हो गई। इस घटना में 6 साल के एक मासूम बच्चे की इलाज के दौरान दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि दर्जनों बच्चों और महिलाओं की हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और मातम का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, शनिवार शाम एक ठेलेवाला बजटो गांव में घूस-घूमकर गोलगप्पे बेच रहा था।

टीएमसी ने बीजेपी नेता का पोस्ट शेयर कर लगाया आरोप

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ठोकने की खुली धमकी!

नई दिल्ली/ एजेंसी

टीएमसी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को खुलेआम जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। टीएमसी और बीजेपी अब आमने-सामने हैं। बीजेपी नेता अजय आलोक की एक पोस्ट को लेकर तुणमूल कांग्रेस ने लंबा पोस्ट कर पलटवार किया है। टीएमसी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को खुलेआम जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। टीएमसी



की ओर से मंगलवार (28 अप्रैल) को एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, बलात्कार की धमकियां और अपमानजनक कार्टूनों के बाद बीजेपी अब ममता बनर्जी को खुलेआम जान से मारने की धमकियां देने पर उतर आई है।

पश्चिम बंगाल का सियासी पारा रोजाना बढ़ता ही जा रहा है।आईपीसी अजयपाल शर्मा के बयान को लेकर बीजेपी और टीएमसी में सोशल मीडिया पर जंग छिड़ गई है। टीएमसी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में कहा कि पहले दुष्कर्म की धमकियां और अपमानजनक कार्टून फैलाए गए और अब भाजपा इस स्तर तक गिर गई है कि खुलेआम जान से मारने की धमकी दी रही है। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, डराएगा तो ठोकाएगा दादी, जिसका मतलब है।

पीएम मोदी ने दिया 4000 करोड़ रुपये का सौगात

सिक्किम पूरब का स्वर्ग और ऑर्किड का बगीचा है-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंगलवार को 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनाएं अवसरचन्ना, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है। उन्होंने कहा कि सिक्किम पूरब का स्वर्ग और ऑर्किड का बगीचा है। सिक्किम आज अपना 50वां स्थापना

दिवस मना रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को 4000 करोड़ रुपये से अधिक का तोहफा दिया। सिक्किम के 50वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के समापन समारोह में ऋतु मोदी ने कहा, आज, हमें सिक्किम के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाने का अवसर मिला है। जब जश्न इतने ऐतिहासिक हों और इतने दिव्य माहौल में मनाए जा रहे हों, तो उनकी भव्यता कई गुना बढ़ जाती है। सिक्किम के 50वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के समापन समारोह में बोलते हुए ऋतु मोदी ने कहा, कल रोडशो के पूरे सफर के दौरान मैंने जो सबसे अच्छी चीज देखी, वह थी सिक्किम की सड़कों की सफाई। कहीं भी, दूर-दूर तक कोई गंदगी नहीं थी। हवा में भी सफाई थी। सड़कों पर भी सफाई थी।



पीएम मोदी ने आगे कहा- आप, सिक्किम के लोग, प्रकृति के पक्षे रखवाले और ब्रांड एम्बेसडर हैं। उन्होंने कहा कि सिक्किम पूरब का स्वर्ग और ऑर्किड का बगीचा है, और यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस राज्य की अतुलनीय सुंदरता, शांत वातावरण

और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करने का मौका मिला। उन्होंने प्रकृति से प्रेम करने वाले पर्यटकों से भी सिक्किम में ऑर्किड के बगीचों को देखने आने की अपील की। मोदी ने कहा केंद्र में बीजेपीह सरकार के गति सत्ता में आने के बाद, सिक्किम में

विकास की रफ्तार एक बार फिर तेज हो गई है। पहली बार, रेलवे सिक्किम तक पहुँचने जा रहा है। स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 1000 होमस्टे विकसित करने की घोषणा की गई। इससे पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को खेल और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए भी केंद्र सरकार पहल कर रही है। हेल्थकेयर सेक्टर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहले इस क्षेत्र की अनदेखी हुई, लेकिन अब नई योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने नॉर्थईस्ट में हेल्थकेयर को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन परियोजनाओं से सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और क्षेत्रीय विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

एक्ट ईस्ट नीति से आगे बढ़कर एक्ट फास्ट दृष्टिकोण अपनाया

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार ने एक्ट ईस्ट नीति से आगे बढ़कर एक्ट फास्ट दृष्टिकोण अपनाया है और इसी के तहत आज 4000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू हुई हैं। इस बयान का आशय यह है कि सरकार अब योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, जहां सैकड़ों पक्षी और तितली प्रजातियां पाई जाती हैं।कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए मजबूत कनेक्टिविटी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी पर तेजी से काम कर रही है। सेवोक-रंगपो रेलवे लाइन प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने बताया कि यह तेजी से आगे बढ़ रहा है।

संपादकीय

मतदाता सूची से बाहर किए गए सताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली।पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस तरह करीब बानबे फीसद मतदान की खबर आई है, उससे साफ है कि इस बार वहां की जनता ने अपने मताधिकार को लेकर अपेक्षया ज्यादा सजगता दिखाई है। इसका एक कारण एसआइआर की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में मौजूद लोगों का अपने मताधिकार को लेकर पहले से ज्यादा सतर्क होना भी हो सकता है।हालांकि अभी

दूसरे चरण का मतदान बाकी है और आखिरी तस्वीर नतीजों के बाद साफ होगी, लेकिन राज्य में बड़ी संख्या में लोगों के वोट डालने से वंचित रह जाने को लेकर जैसे सवाल उठ रहे हैं, उनका जवाब सामने आना देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाए रखने के लिए जरूरी है। आखिर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया के बाद जितने लोगों को मतदान के लिए अपात्र मान लिया गया और जो अपीलीय प्राधिकरण के सामने गुहार लगाने के बावजूद वोट देने से वंचित रह गए, उनके नागरिक और संवैधानिक अधिकारों को अब किस

कसौटी पर रखा जाएगा!गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के बाद अब तक करीब सताईस लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। हल ही में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि जिन लोगों की अपील अपीलीय प्राधिकरणों में स्वीकार कर ली जाती है, उनके लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि अनुमति मिलने पर वे मतदान कर सकें।शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जो लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए थे,

उनके सामने भी अब वोट डाल सकने का एक विकल्प होगा और इस तरह सूची से बाहर होने के बाद की जटिलताओं से उनके बच सकने की गुंजाइश तैयार होगी। मगर बुधवार को आई खबर के मुताबिक मतदाता सूची से बाहर किए गए सताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली।अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मद्देनजर प्राधिकरण में जिस तरह अपीलों की सुनवाई की व्यवस्था हुई, उसका उद्देश्य शायद सिर्फ औपचारिकता पूरा करना था। इस

कवायद के बावजूद एसआइआर की वजह से बड़ी संख्या में जो लोग मतदान करने से वंचित रह गए, उनके बारे में अब कानूनी स्थिति क्या होगी? फिर जिन लोगों को अभी मतदाता सूची में जगह मिलने के लिए अपात्र माना गया, बाद में किन्हीं कसौटी पर उन्हें सही बताया जाएगा, उनके मौजूदा चुनाव में मतदान न कर पाने के लिए क्या किसी को जवाबदेही तय की जाएगी?इसमें कोई दोराय नहीं कि वास्तव में अपात्र लोगों को मतदाता सूची में जगह नहीं मिलनी चाहिए। मगर एसआइआर के बाद भारी संख्या में लोगों के मताधिकार छिन जाने से यह सवाल उठा है कि क्या

अब तक ये सभी लोग अवैध तरीके से वोट डालते और प्रतिनिधि चुनते रहे! यह बेवजह नहीं है कि विपक्षी दलों की ओर से निर्वाचन आयोग पर एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर जरूरी हड़बड़ी दिखाने और नाहक ही लाखों को लोगों को मताधिकार से वंचित करने के लिए अपात्र लगाए जा रहे हैं।यह समझना मुश्किल है कि चुनाव आयोग को ठीक उस वक्त एसआइआर कयाने की जरूरत क्यों महसूस हुई, जब सिर पर चुनाव थे और मतदान के लिए अपात्र उद्धार गए लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए पर्याप्त वक्त नहीं मिला।

अब भाजपा संवारेगी आपके सात सांसदों का राजनीतिक भविष्य!

कृष्णामोहन झा

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के संस्थापकों में से एक राघव चड्ढा पार्टी के 6 अन्य सांसदों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये हैं । गौरतलब है कि राघव चड्ढा को कुछ दिन पूर्व ही राज्य सभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाया गया था और तभी से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि वे आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे सकते हैं परंतु केजरीवाल को यह अंदाजा कतई नहीं था कि इसके बाद राघव चड्ढा 6 अन्य सांसदों को साथ लेकर भाजपा में शामिल होने की तैयारी में जुट जाएंगे । राघव चड्ढा सहित जिन सात सांसदों ने आम आदमी पार्टी छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा है उनमें से एक अशोक मित्तल के यहाँ अभी कुछ ही दिन पूर्व ईडी का छापा पड़ा था । पार्टी के दस सांसदों में से एक साथ सात सांसदों की यह बगावत निश्चित रूप से आम आदमी पार्टी और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए बहुत बड़ा झटका है । इन सात सांसदों के द्वारा भाजपा का दामन थाम लिए जाने के बाद अब राज्य सभा में आम आदमी पार्टी के जो तीन सांसद बचे हैं वे हैं संजय सिंह,नारायण दास गुप्त और बलवीर सिंह । राघव चड्ढा का दावा है कि वुँकि आम आदमी पार्टी के दस में से दो तिहाई अर्थात सात सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं इसलिए उन पर दलबदल कानून लागू नहीं होता ।राघव चड्ढा इसे सात सांसदों का भाजपा में विलय कहते हैं । जाहिर सी बात है कि दलबदल कानून के तहत सांसदी जाने का कोई खतरा उन्हें नहीं सता रहा है । उधर दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने ठेकड़ा है कि वह इन सांसदों को सदस्यता से अयोग्य ठहराने के लिए राज्य सभा के सभापति को पत्र लिखेगी ।अब भविष्य में जो भी स्थिति बने लेकिन इसमें दो राय नहीं हो सकती कि राघव चड्ढा सहित सात सांसदों ने जिस तरह अचानक सामूहिक रूप से भाजपा में शामिल होने के फैसले की घोषणा की वह केजरीवाल को स्तब्ध कर देने के लिए काफी है और यह फैसला इसलिए भी बहुत मायने रखता है क्योंकि अगले साल पंजाब विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं और इन सांसदों का पंजाब से नजदीकी रिश्ता है । जाहिर सी बात है कि पंजाब की वर्तमान विधानसभा में पार्टी सदस्यों के बीच भी उनके समर्थकों की संख्या कम नहीं होगी इसलिए यह मानकर चलना चाहिए कि अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा के चुनावों में भाजपा सांसदों को आम आदमी पार्टी के विरुद्ध अपने चुनाव अभियान में बड़ी जिम्मेदारी सौंपेगी ।इसके अलावा यह भी उत्सुकता का विषय है कि आम आदमी पार्टी छोड़ कर खुद को भारतीय जनता पार्टी में विलीनीकृत करके बेहद खुश नजर आ रहे उक्त सातों सांसद की यह उम्मीद कब पूरी होती है कि अब उनका राजनीतिक भविष्य संवरने में ज्यादा देर नहीं है ।

राघव चड्ढा सहित सात सांसदों द्वारा अपना भाजपा में विलय करने की घोषणा पर स्वराज इंडिया के संस्थापक योगेन्द्र यादव और सुप्रसिद्ध कानूनविद प्रशांत किशोर की जो प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उन पर विशेष रूप से गौर किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि राघव चड्ढा की तरह आम आदमी पार्टी के गठन में उनकी भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद जल्द ही उन्होंने वैचारिक मतभेदों के कारण आदमी पार्टी से अपने रिश्ते तोड़ लिए थे ।उस समय योगेन्द्र यादव ने कहा था कि पार्टी अपने आदर्शों से भटक गई है जबकि प्रशांत भूषण ने पार्टी में लोकतंत्र की कमी को पार्टी छोड़ने की वजह बताया था । इनके अलावा आम आदमी पार्टी से दूरी बना लेने वाली बड़ी हस्तियों में किरण बेदी, आशुतोष श्रीवास्तव और शाजिया इल्मी और कुमार विश्वास भी शामिल थे । राघव चड्ढा सहित सात सांसदों के भाजपा में उनके विलय की घोषणा पर योगेन्द्र यादव कहते हैं कि आज जो हुआ है वह सिर्फ कुछ लोगों द्वारा दुर्व्यवहार महसूस करने के कारण पार्टी छोड़ने का मामला नहीं है ।राघव चड्ढा की शिकायत जायज हो सकती है लेकिन उनके खिलाफ 100 अन्य लोगों की शिकायतें भी हो सकती हैं । यह दलबदल विरोधी भावना को पूरी तरह नष्ट करता है । संविधान के खिलाफ जाता है और लोकतंत्र की मूल भावना को कमजोर करता है । अगर आप कर सकते हैं तो चुनाव लड़ने के लिए आगे क्यों न बढ़ें ? साथ योगेन्द्र यादव यह भी कहते हैं कि मैं ने कभी आम आदमी पार्टी को डिफेंड नहीं किया । उन्होंने पार्टी को ऐसी जगह में बदल दिया है जहाँ आप केवल सत्ता के लिए आते हैं । सुप्रसिद्ध कानून विद प्रशांत भूषण ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म पक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले पहले ग्रुप और आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सात नेताओं के हालिया ग्रुप में क्या अंतर है ? पहली बार लोग तब पार्टी छोड़कर गए जब अरविंद केजरीवाल ने उन सिद्धांतों से समझौता किया जिन पर पार्टी की स्थापना हुई थी । राघव चड्ढा के नेतृत्व वाले दूसरे समूह ने सत्ता के सुख का आनंद लिया । राज्य सभा के लिए भी चुने गये । ये लोग पूरी तरह से अवसरवादिता के चलते बीजेपी में शामिल हुए हैं । इन नेताओं में कोई सिद्धांत नहीं है ।हम समझना कठिन नहीं है कि इन प्रतिक्रियायों में राघव चड्ढा के इस फैसले के प्रति समर्थन को कोई भाव है लेकिन इस हकीकत से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि केजरीवाल की अधिनायकवादी कार्य शैली और कथित भ्रष्टाचार के मामले उनकी लोकप्रियता में भारी कमी की मुख्य वजह बने ।दिल्ली विधानसभा के पिछले चुनावों में पार्टी की कारारी शिकस्त के कारण अनेक नेताओं का आम आदमी पार्टी से मोहभंग हुआ ।पंजाब विधानसभा के अगले चुनावों में पार्टी के लिए अपना पहले जैसा प्रदर्शन दोहरा पाना आसान नहीं होगा । (अब देखना यह है कि पार्टी को एकजुट बनाए रखने में केजरीवाल क्या अपनी कार्य शैली में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस करेगे ।

विचार–पक्ष

मतदाता सूची से बाहर लाखों नाम, फिर भी रिकॉर्ड वोटिंग

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी । करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32–33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है ।

धधकती धरती विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निस्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकून इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उक्त कदम बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को ‘विश्व पृथ्वी दिवस’ मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़के की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद

कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त सांसें’ के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती

तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ‘प्रदूषण मुक्त सांसें’ पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण

ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की संहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती



रहती है। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार

है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना

रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने नजदीक से चुकाना पड़ेगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर बहुवर्चित पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त सांसें’ के लेखक हैं)

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फोर्ड मार्शल आरिसम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी

हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे



हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होमरुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय

शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में

खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाइंडरस्टर पर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना

है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा हथियारों की संख्या नहीं होगी। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति

भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अंतरिक बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना ​​है कि घटते भंडार का असर केवल

अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टें ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकने दें, तो ऐसे में संघर्षविराम का पेंटागन केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इस क्रिकेट सीज़न, कैलिफोर्निया बादाम के साथ हर सुपर पलका अनुभव करें

इस क्रिकेट सीज़न, कैलिफ़ोर्निया बादाम अपनेनवीनतम अभियान ‘सुपरफूड फ़र अ सुपर यू’ के माध्यम से क्रिकेट केउत्साह को बादाम की पोषण शक्ति के साथ प्रस्तुत कर रहा है। विटामिन थ्र, फ़ाइबर, मैग्नीशियम और प्रोटीन सहित 24 आवश्यक पोषक तत्वों से समृद्धबादाम एक उत्कृष्ट सुपरफूड हैं, जो मैदान के भीतर और बाहर दोनों हीपरिस्थितियों में निरंतर ऊर्जा और बेहतर प्रदर्शन का समर्थन करते हैं। इस अभियान के केंद्र में एक मोबाइल-फ़र्ट इंटरएक्टिव प्रतियोगिता है, जोपूरे भारत के प्रतिभागियों को लाइव क्रिकेट के उत्साह को बादाम के लाभोंकी खोज के साथ एक रोचक और इमर्सिव तरीके से जोड़ने का अवसर प्रदानकरती है। 27 अप्रैल से 24 मई तक संचालित यह अनुभव उन प्रतिभागियोंको पुरस्कृत करता है, जो निरंतर सहभागिता बनाए रखते हैं और पूरे क्रिकेटसीज़न के दौरान सक्रिय रहते हैं। सरल पहुंच और सहज नेविगेशन के साथ डिज़ाइन किए गए इस सलैजर्में पर, प्रतिभागी लाइव क्रिकेट मैचों के दौरान अपने मोबाइल फ़ोन के माध्यम से,ImondWin.com पर जाकर कुछ बुनियादी विवरण और OTP सत्यापन के साथ पंजीकरण कर सकते हैं—इसके लिए किसी ऐप डाउनलोड की आवश्यकता नहीं है। लॉगिन करने के पश्चात, उपयोगकर्ता कैमरा एक्सेस सक्षम कर एक ऑगमेंटेड रियलिटी अनुभव में प्रवेश करते हैं, जो उनके वास्तविक परिवेश को वर्चुअल तत्वों के साथ जोड़ता है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए, उपयोगकर्ता AlmondWin.com पर उपलब्ध विस्तृत FAQs का संदर्भ ले सकते हैं। लाइव क्रिकेट मैचों के साथ तालमेल बिठाते हुए, यह अनुभव तब जीवंत होउठता है जब प्रतिभागी मैच के अहम पलों के दौरान अपने आस-पास दिखनेवाले वर्चुअल बादामों को देखने के लिए अपना फ़ोन हिलाते हैं।

ट्राइडेंट ग्रुप अपने पैन–इंडिया ‘तक्षशिला–2026’ हायरिंग प्रोग्राम के जरिए ‘विकसित भारत’ विज़न को दे रहा मज़बूती

नईदिल्ली। ट्राइडेंट ग्रुप की प्रमुख कंपनी ट्राइडेंट लिमिटेड, जो भारत के अग्रणी व्यावसायिक समूहों में से एक है, ने अपने पैन-इंडिया ‘तक्षशिला’ हायरिंग प्रोग्राम के 25वें संस्करण की शुरुआत की घोषणा की है। ट्राइडेंट के विस्तार के अगले चरण को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल के तहत, कंपनी अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस में 2,000 से अधिक युवा ग्रेजुएट्स और डिप्लोमा धारकों को शामिल करेगी। इस कार्यक्रम में प्रेशंस के साथ-साथ तीन साल तक के अनुभव वाले युवाओं को भी करियर बनाने का अवसर दिया जा रहा है। इस बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हायरिंग अभियान के माध्यम से ट्राइडेंट टेक्सटाइल ऑपरेशंस, इंजीनियरिंग, क्वालिटी, अकाउंट्स, स्प्लाई चेन, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), एडमिन और एचआर जैसे विभिन्न तकनीकी और संचालन संबंधी पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित कर रहा है। कंपनी ने युवाओं के लिए करियर की शुरुआत को और भी आकर्षक बनाया है, जहाँ पात्र उम्मीदवारों के लिए वेतन 12 लाख रुपये प्रतिवर्ष से शुरू होगा। यह कदम न केवल युवाओं को सशक्त बनाएगा, बल्कि देश के औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ट्राइडेंट ग्रुप की ग्रुप सीएचआरओ पूजा बी. ल्थरा ने कहा, राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर देने में निहित है। हम नए टैलेंट का स्वागत करते हैं, ताकि वे ‘विकसित भारत’ की हमारी यात्रा का हिस्सा बन सकें। ट्राइडेंट की पीपल स्ट्रैटेजी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। हमारा फोकस समावेशी करियर बनाने और डिजिटल क्षमताओं को तेज करने में है। संगठन का लक्ष्य एक ऐसी वर्कफ़ेस तैयार करना है जो आधुनिक एआई-ड्रिवन मैन्युफैक्चरिंग के लिए पूरी तरह कुशल और तैयार हो। यह हायरिंग ड्राइव छह महीने के लीडरशिप डेवलपमेंट और स्किल एन्हांसमेंट प्रोग्राम के साथ युवाओं को आधुनिक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन मैन्युफैक्चरिंग वातावरण में तेजी से आगे बढ़ने के लिए एक संरचित मार्ग प्रदान करती है। चयनित उम्मीदवारों को परफ़ॉर्मेंस-लिंकड इंस्टैंटव, वेरिफ़कल पे और संरचित लर्निंग प्रोग्राम के साथ-साथ मुफ्त हॉस्टल सुविधा, सस्मिडाइज़्ड भोजन, स्पোর্ट्स, जिम और मेडिकल सहायता जैसे लाभ भी मिलेंगे। इसके अलावा, उन्हें प्रोविडेंट फंड, ईएसआई कवरेज और समय-समय पर पुरस्कार व पहचान के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाया जाता है’, गोलीबारी की घटना पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वॉशिंगटन डीसी में हुई सुरक्षा घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह जानकर राहत मिली है कि डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी और उपराष्ट्रपति सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होती और ऐसी घटनाओं की पूरी तरह निंदा की जानी चाहिए। ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि सुरक्षा का काम करने के लिए उन्होंने बेहतरीन लोगों को जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बताया कि उनके अनुसार कानून-व्यवस्था की एजेंसियां ने इस बार पहले से भी बेहतर और तेज काम किया। उन्होंने कहा कि इससे पहले पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक सुरक्षा चूक हुई

लिकन से ट्रंप तक: अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर हमले का खूनी इतिहास; चार की पद पर रहते हुई हत्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राजनीति का इतिहास हिंसा की घटनाओं से अछूता नहीं रहा है। हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले ने एक बार फिर इस कड़वे सच को सामने ला दिया है कि अमेरिका में राष्ट्रपति या पूर्व राष्ट्रपति पर हमले कोई नई बात नहीं है। देश के इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जब शीर्ष नेताओं को अपनी जान का जोखिम उठाना पड़ा। हाल ही में अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन स्थित हिल्टन होटल में क्लाइंट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान एक गोलीबारी की घटना सामने आई।

इस अप्रत्याशित घटना ने पूरे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मचा दी। प्रत्यक्षदर्शियों और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही सुरक्षाकर्मী तुरंत हरकत में आ गए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। अधिकारियों ने यह पुष्टि की है कि राष्ट्रपति ट्रंप पूरी तरह

कोलंबिया में हिंसक हमले जारी बस में भीषण बम धमाके से गई सात की जान

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टवियो गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया। सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेमे मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था। राष्ट्रपति

सुरक्षित हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की चोट नहीं आई है।



डोनाल्ड ट्रंप पर यह हमला अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपतियों और पूर्व राष्ट्रपतियों पर हुए हमलों की लंबी सूची में एक और कड़ी है। देश ने कई बार अपने नेताओं को हिंसा का शिकार होते देखा है... अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर 14 जुलाई को पेंसिलवेनिया के

बटलर में एक चुनावी रैली के दौरान की चोट नहीं आई है।

शूटर ने ऊंचाई वाली जगह से गोली चलाई थी, जिसमें ट्रंप के दाहिने कान के पास चोट लगी थी। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। ट्रंप ने उस समय कहा था कि गोली उनके कान को भेदते हुए निकल गई थी और उन्होंने अमेरिकी सीक्रेट सर्विस

का आभार जताया था। घटना के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। इस हमले में हमलावर और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई थी। एफबीआई ने बाद में हमलावर की पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू के रूप में की थी। हालांकि हमले की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी थी।

‘टेबल के नीचे छिपे लोग’, चश्मदीद ने बताया- चंद सेकंड में बदला माहौल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन स्थित प्रतिष्ठित हिल्टन होटल में आयोजित क्लाइंट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान शनिवार रात अचानक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कार्यक्रम के बीचोबीच एक तेज आवाज सुनाई दी और पूरे हॉल में सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। प्रत्यक्षदर्शी और पत्रकार रीना भारद्वाज ने इस पूरी घटना का आंखों देखा हाल साक्षां करते हुए बताया कि यह पल बेहद अप्रत्याशित और तनावपूर्ण था।

रीना भारद्वाज के अनुसार ‘बस कुछ ही मिनट पहले यहां पूरा माहौल सामान्य था, लेकिन अचानक एक तेज आवाज आई। पहले मुझे लगा कि शायद बर्तनों के टकराने की आवाज होगी। लेकिन कुछ ही सेकंड में सबरं तेजी से अपनी ट्रे लेकर सुरक्षित जगह

अमेरिकी इतिहास में पहला बड़ा हमला साल 1835 में हुआ था। तब एक व्यक्ति ने तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन को मारने की असफल कोशिश की थी। घटना के वक्त जैक्सन एक अंतिम संस्कार में भाग लेने गए थे। तब उनपर दो बार फायरिंग की गई थी। हालांकि हवा में नमी के कारण दोनों बार बंदूक मिसफायर हो गईं। राष्ट्रपति सुरक्षित बच गए थे। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या का पहला सफल मामला 1865 में सामने आया। जब वहां गृहयुद्ध खत्म होने के बाद वॉशिंगटन डी.सी. के फोर्ड थिएटर में एक प्रस्तुति के दौरान नाटक के अभिनेता और जॉन विल्क्स बुथ ने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के सिर के पीछे गोली मार दी थी। इसके बाद बुथ घटनास्थल से भाग गया और जब कुछ हफ्तों बाद वर्जीनिया में उसे पकड़ लिया गया तो उसे गोली मार दी गई।

‘टैबल के नीचे छिपे लोग’, चश्मदीद ने बताया- चंद सेकंड में बदला माहौल

की ओर भागने लगे। तभी मुझे समझ आया कि कुछ ठीक नहीं है।’ उन्होंने



आगे बताया कि स्थिति बिगड़ते ही पूरा हॉल सतर्क हो गया और कई लोग अपनी-अपनी टेबल के नीचे झुककर सुरक्षित स्थान लेने लगे। रीना भारद्वाज ने बताया जब लगा कि स्थिति थोड़ी नियंत्रण में है और उठना सुरक्षित है,

ट्रंप ने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने का किया बचाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द करने के फैसले का बचाव किया है। ये दूत ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद जाने वाले थे। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान ने जो प्रस्ताव दिया था, वह उम्मीदों के मुताबिक नहीं था। उन्होंने साफ किया कि ईरान ने बहुत कुछ देने की बात कही, लेकिन वह पर्याप्त नहीं था। उन्होंने यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान ने समृद्ध यूरेनियम पर कम से कम 20 साल के निलंबन के अमेरिकी प्रस्ताव पर बातचीत के बदले में कुछ पेशकश की थी। ट्रंप ने पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रा रद्द करने की कई वजहें बताईं। उन्होंने कहा कि 18 घंटे की लंबी यात्रा बहुत थका देने वाली और महंगी है। वह खुद को एक ‘क्रिफायती व्यक्ति’ मानते हैं और फिजूलखर्ची के खिलाफ हैं।



के लिए नहीं आ रहा था। वह अपने खास दूतों जेरेड कुशनर और स्टीव बिट्कोफ को उन लोगों से मिलने नहीं भेज सकते जिन्हें कोई जानता तक नहीं है। उनके अनुसार, ईरान का नेतृत्व आपसी झगड़ों में फंसा हुआ है।

ट्रंप ने दावा किया कि उनके इस कड़े फैसले का तुरंत असर हुआ। जैसे ही उन्होंने यात्रा रद्द की, उसके 10 मिनट के भीतर ईरान ने एक नया और बेहतर प्रस्ताव भेज दिया। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि उनका एकमात्र मकसद यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों।

‘टैबल के नीचे छिपे लोग’, चश्मदीद ने बताया- चंद सेकंड में बदला माहौल

निकाला गया। कार्यक्रम के दौरान अचानक गोलीबारी की घटना सामने आई, जिससे पूरे स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि लोग अपनी सुरक्षा के लिए इश्वर-उधर भागने लगे। एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एक हमलावर ने मौके पर गोलियां चलाई थीं। वहीं, एक अन्य चश्मदीद के अनुसार उन्होंने लगातार करीब 5 से 8 गोलियों की आवाज सुनी, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जैसे ही गोलियों की आवाजें सुनाई दीं, सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आ गए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं।

● कई जगहों पर इस्लामी उग्रवादियों ने किया हमला

माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम; भारत ने जारी की एडवाइजरी

जोहानसबर्ग, एजेंसी। पश्चिम

अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगाववादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातल नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, ‘माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है। ’

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है

और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने



भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए भारतीय नागरिकों को दूतावास से + 2 2 3 78486019/94793705 पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है। जेएनआईएम ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया कि ये हमले अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एएलएफ) के साथ मिलकर किए गए थे, जो एक तुआरेग-नेतृत्व वाला अलगाववादी समूह

है। इन हमलों में माली की राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ मध्य और उत्तरी माली के चार अन्य शहरों को निशाना बनाया गया। माली पहले से ही अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े संगठनों के साथ-साथ उत्तर में एक अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। मालियाई सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने बमाको में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया। बाद में एक अन्य बयान में सेना ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। बमाको में एक समाचार एजेंसी के पत्रकार ने मोडिबो कीटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों की लगातार आवाजें सुनीं। हवाई अड्डा माली के वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई अड्डे के बगल में स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने भी गोलीबारी और तीन हेलीकॉप्टरों को इलाके में गश्त करते देखा।

जिसने उन्हें गहरा झकझोर दिया है। उन्होंने बताया कि यह जानकर राहत मिली कि डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी और कार्यक्रम में मौजूद अन्य



सभी लोग सुरक्षित हैं। शरीफ ने कहा कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। उन्होंने ट्रंप के लिए लगातार सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी की।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वॉशिंगटन डीसी में क्लाइंट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक और परेशान करने वाली है,

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलियुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।